चमगादड़

रात के जीव



जॉयस मिल्टन

चित्र: जूडिथ मोफैट



चमगादड़

रात के जीव

जॉयस मिल्टन

चित्र: जूडिथ मोफैट







इस फार्म पर सालों से कोई नहीं रहा है.

खलिहान खाली दिखता है.

लेकिन ऐसा नहीं है!

कई अजीब जीव अटारी में सो रहे हैं.

जैसे ही सूरज ढलता है,

वे हवा में उड़ते हैं.



वे खिड़कियों से बाहर उड़ते हुए आते हैं.

वे नदी के ऊपर नीचे झपट्टा मारते हैं.

वे एक पुराने पुल के नीचे से उड़ते हैं.



दूर से

ये जीव पक्षियों जैसे दिखते हैं.

लेकिन क्या किसी ने कभी फर

वाले पक्षी के बारे में सुना है?

पास से देखने पर, वे चूहों जैसे दिखते हैं.

लेकिन किसी ने कभी पंखों

वाले चूहे के बारे में सुना है?

ये अजीब जीव चमगादड़ हैं.

चमगादड़ स्तनधारी होते हैं.

बिल्कुल खरगोशों की तरह

और घोड़ों और कुत्तों की तरह.

बिल्कुल हमारी तरह.





कई लोग सोचते हैं कि चमगादड़ अंधे होते हैं.

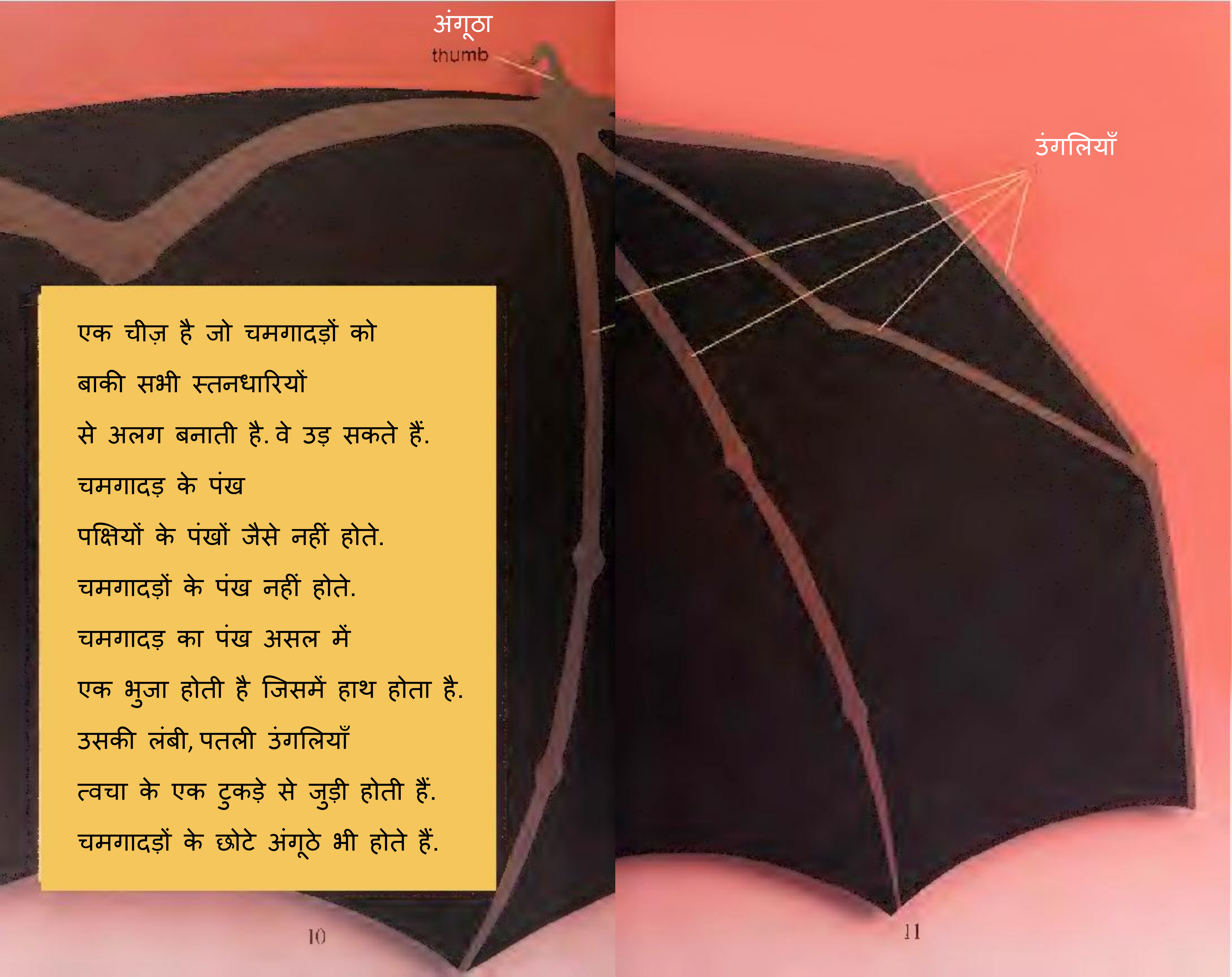
लेकिन यह बात सच नहीं है.

चमगादड़ों की आँखें होती हैं

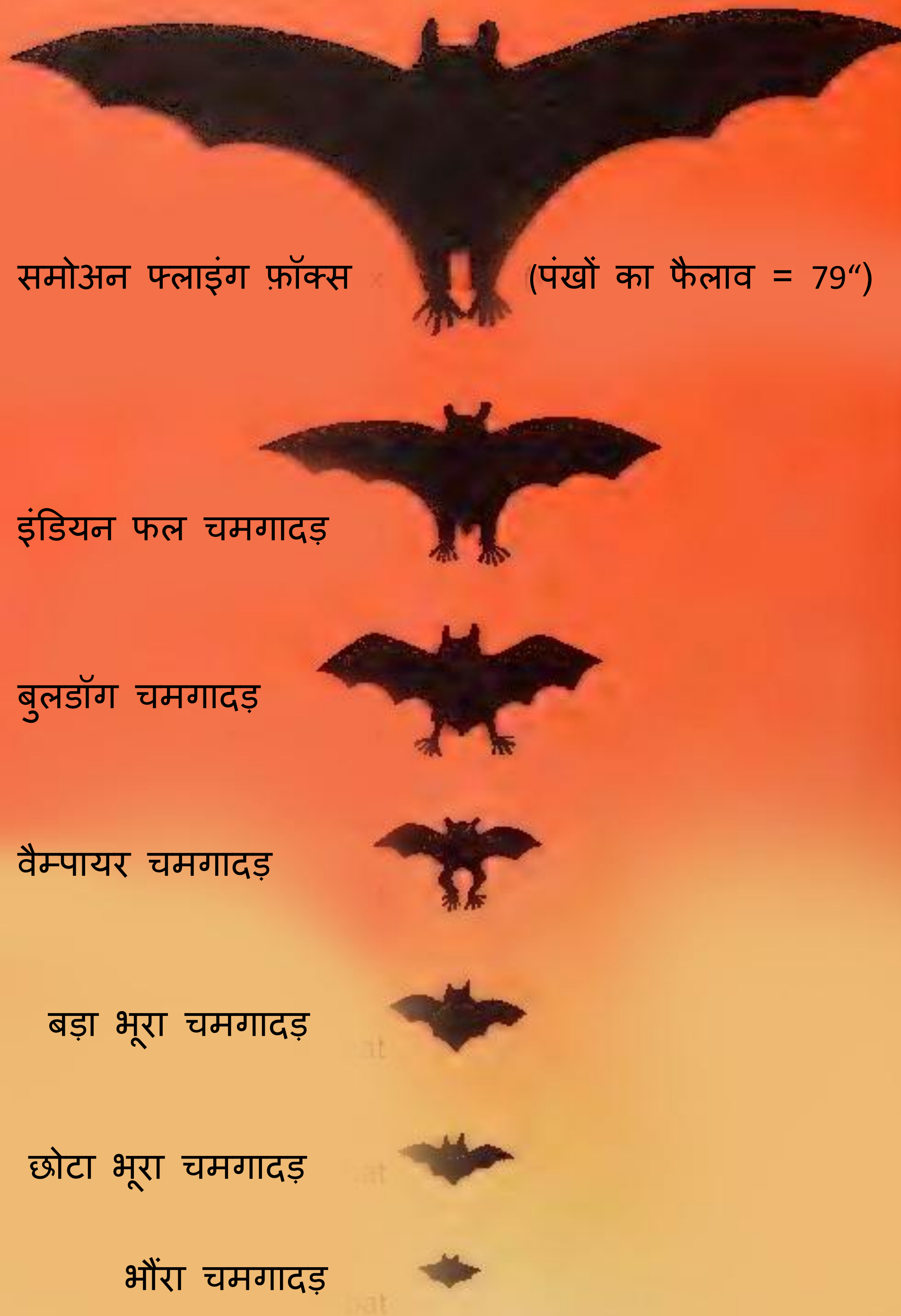
और वे देख सकते हैं.

असल में वे अपना ज़्यादातर समय

अँधेरे में बिताते हैं.



एक चीज़ है जो चमगादड़ों को
बाकी सभी स्तनधारियों
से अलग बनाती है. वे उड़ सकते हैं.
चमगादड़ के पंख
पक्षियों के पंखों जैसे नहीं होते.
चमगादड़ों के पंख नहीं होते.
चमगादड़ का पंख असल में
एक भुजा होती है जिसमें हाथ होता है.
उसकी लंबी, पतली उंगलियाँ
त्वचा के एक टुकड़े से जुड़ी होती हैं.
चमगादड़ों के छोटे अंगूठे भी होते हैं.





दुनिया में लगभग
1,000 विभिन्न प्रकार के
चमगादड़ हैं.
सबसे बड़े चमगादड़ को
समोअन फ्लाइंग फ़ॉक्स कहते हैं.
पंख से लेकर पंख तक
वो कनाडा गूज़ (हंस) जितना बड़ा होता है.
भौंरा चमगादड़ सबसे छोटा होता है.





आपने शायद वैम्पायर चमगादड़
के बारे में सुना होगा.
क्या वैम्पायर चमगादड़
सचमुच जानवरों का खून पीता है?
हाँ, पीता है.
वो मेक्सिको और दक्षिण अमेरिका में रहते हैं
जहाँ वे गायों और घोड़ों को काटते हैं.
क्या वैम्पायर चमगादड़
इंसानों के लिए खतरनाक हैं?

नहीं, अन्य चमगादड़ों की तरह,
वे रैकून, स्कंक
और अन्य जंगली जीवों से
कम खतरनाक होते हैं.



चमगादड़ों को क्या खाना पसंद है?

कुछ फल खाते हैं.



कुछ फूलों का रस पीते हैं,

जैसे हमिंगबर्ड पीती हैं.



बुलडॉग चमगादड़ मछली भी पकड़ता है!



लेकिन ज़्यादातर चमगादड़

कीड़े-मकोड़े - मक्खियाँ,

पतंगे और मच्छर - खाते हैं.



यह चित्तीदार चमगादड़
एक पतंगे को पकड़ने वाला है.
वो घुप्प अंधेरे में कीड़े कैसे ढूंढता है?
वो अपने कानों का
इस्तेमाल करता है!
चमगादड़ उड़ते समय
आवाज़ें निकालता है -
क्लिक, क्लिक, क्लिक!

एक पतंगा उड़ता है.
क्लिक की आवाज़ पतंगे से टकराती है
वो एक प्रतिध्वनि उत्पन्न करती है.
प्रतिध्वनि चमगादड़ को बताती है
कि पतंगा कहाँ है.
चमगादड़ बहुत तेज़ उड़ता है
वह अपने पंख की नोक से
पतंगे को उठा लेता है.





चमगादड़ केवल रात में ही
शिकार करते हैं.
दिन में वे सोते हैं.
यह पुराना खलिहान
लगभग 100 छोटे
भूरे चमगादड़ों का घर है.



थके हुए चमगादड़ छत में
एक छेद से
अंदर उड़ते हैं.
वे अपने पिछले पैरों से
शहतीर पकड़ लेते हैं.
दिन भर वे
उल्टे लटके रहते हैं.
चमगादड़ इसी तरह सोते हैं.



खलिहान में सभी

छोटे भूरे चमगादड़ मादा हैं.

उन्हें खलिहान पसंद है.

वो यह गर्म और शांत रहते है.

कोई खलिहान का इस्तेमाल नहीं करता.

यह उनके बच्चों को पालने के लिए

एक सुरक्षित जगह होगी.

यह छोटी भूरी चमगादड़

अपने बच्चे को जन्म देने के लिए तैयार है.

वह अपने अगले पंजों से लटकी हुई है.

बच्चा उसके शरीर से बाहर आ जाता है.

माँ चमगादड़ के पैरों के बीच

त्वचा का एक टुकड़ा होता है.

वह टुकड़े को फैलाती है

और बच्चे को उसमें पकड़ लेती है.





माँ को तेज़ी से चलना पड़ता है!

क्योंकि खलिहान के फर्श तक का

रास्ता काफ़ी लंबा है.



जल्द ही पुराने खलिहान में लगभग
100 बच्चे चमगादड़ आ जाते हैं.
रात में, सभी मादा चमगादड़
शिकार करने निकल जाती हैं.
जब वे वापस आती हैं,
तो सभी बच्चे खाने के लिए
रो रहे होते हैं
चीक, चीक, चीक!



हर माँ अपने बच्चे की आवाज़ पहचानती है.
वह सीधे उसके पास जाती है.
वह उसका चेहरा धोती है
और उसे अपना थोड़ा दूध पिलाती है.



अगस्त के अंत तक,

रातें और ठंडी हो जाती हैं.

माँ को खाने के लिए पर्याप्त

कीड़े नहीं मिल पाते हैं.

छोटे भूरे चमगादड़ों के लिए सर्दियों के लिए

किसी दूसरे घर में जाने का समय आ गया है.



वे रात-रात भर उड़ते रहते हैं.

एक सुबह, सूर्योदय से ठीक पहले,

वे एक बड़ी गुफा में पहुँचते हैं.

नर और मादा चमगादड़

पूरी सर्दी गुफा में सोते हैं.

हज़ारों चमगादड़

हर साल उसी गुफा में वापस आते हैं.





जब बसंत आता है,

तो चमगादड़ धीरे-धीरे जागते हैं.

वे चीख़ते हैं और गुफा के

चारों ओर उड़ते हैं.

फिर एक शाम, सभी चमगादड़

गुफा के दरवाज़े से बाहर उड़ जाते हैं.

फुफकार!



गुफा के बाहर,

एक खलिहान उल्लू

एक ऊँचे पेड़ पर बैठा है.

अचानक उल्लू नीचे झपट्टा मारता है!

लेकिन ठीक समय पर, युवा चमगादड़

उसके रास्ते से हट जाता है.



छोटा भूरा चमगादड़

20 साल तक जीवित रह सकता है.

इस गर्मियों में वह अपनी माँ के

साथ नहीं रहेगा.





वह एक पुराने पुल के नीचे

नर चमगादड़ों के एक समूह में

शामिल हो जाएगा.

छोटे भूरे चमगादड़ आमतौर पर

देहात में रहते हैं.

एक अन्य प्रकार का चमगादड़,

बड़ा भूरा चमगादड़,

अक्सर शहरों में देखा जाता है.

कभी-कभी वो चर्च की मीनारों में

या अटारी में सोता है.





एक बड़ा भूरा चमगादड़ खुली

खिड़की से भी उड़ सकता है.





बड़े भूरे चमगादड़

शांतिप्रिय जानवर होते हैं.

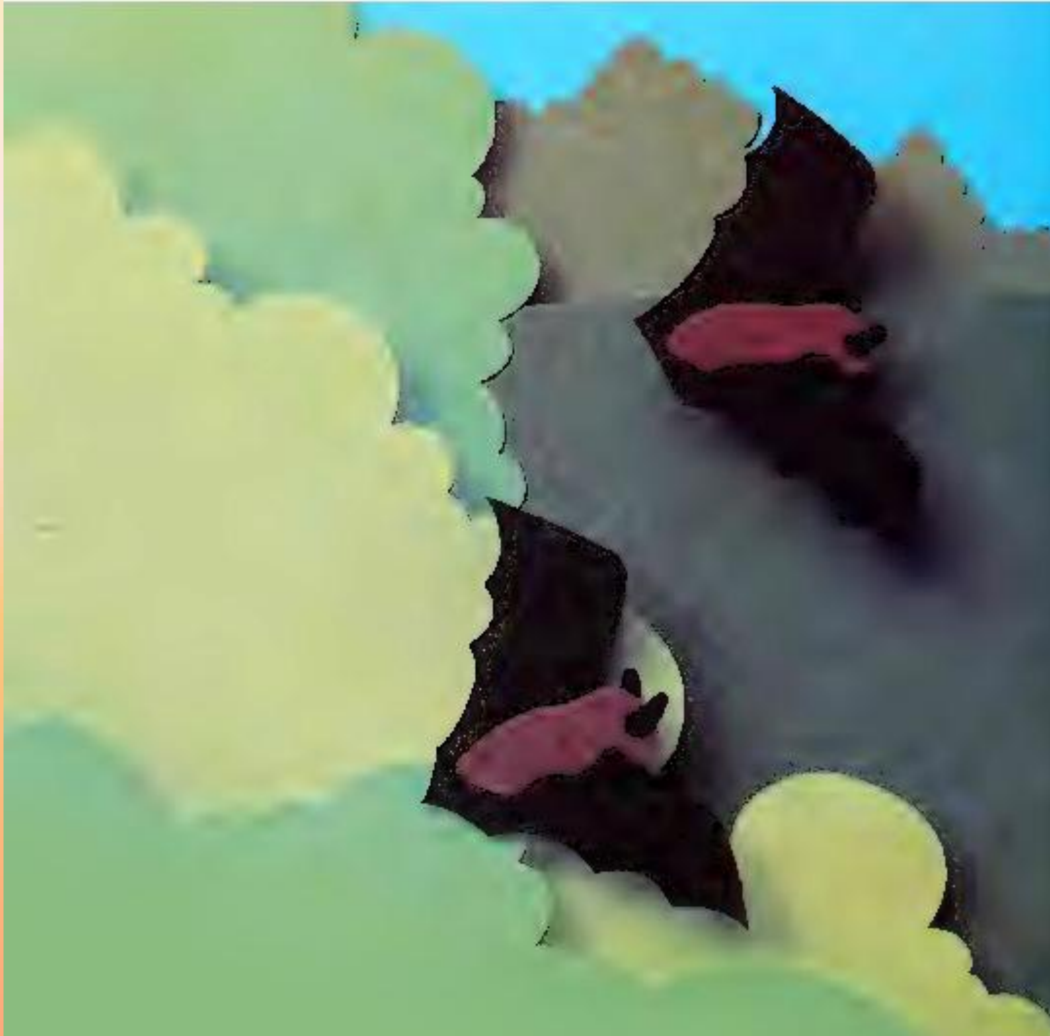
अगर कोई आपके घर में घुस आए,

तो बिल्कुल न डरें.

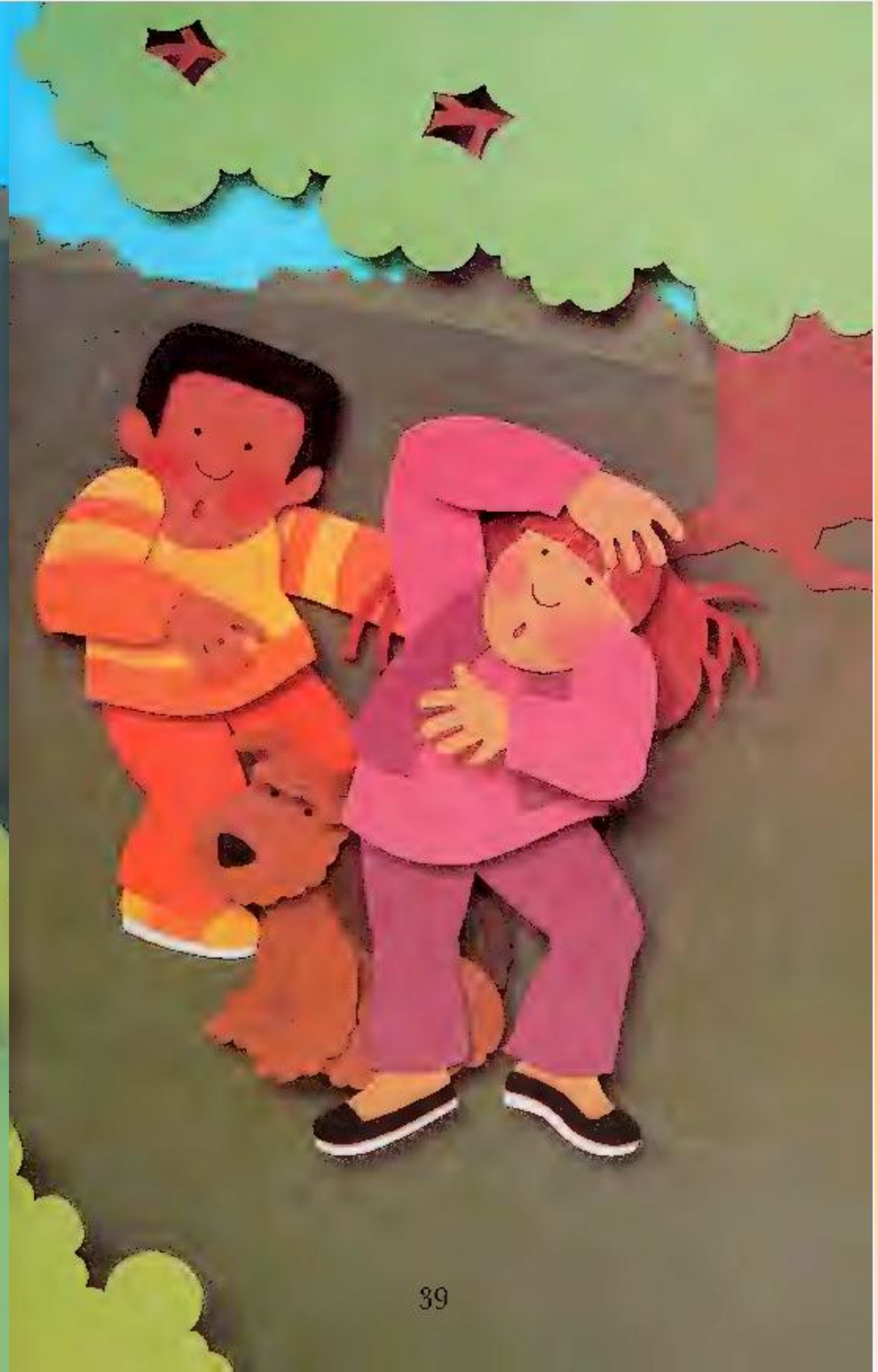
वो शायद एक छोटा चमगादड़ हो.

वो शायद खोया हुआ हो

और डरा हुआ भी.



इतने सारे लोग चमगादड़ों
से क्यों डरते हैं?
शायद उन्होंने सुना होगा
कि चमगादड़ लोगों के
बालों में बैठना पसंद करते हैं.
लेकिन यह सच नहीं है!



कुछ लोग पिशाचों की
कहानियों पर भी
विश्वास करते हैं– जैसे काउंट ड्रैकुला.
ड्रैकुला चमगादड़ में बदल सकता था.
वह सोते हुए लोगों का खून पीता था.
लेकिन ड्रैकुला कोई वास्तविक व्यक्ति नहीं था.
आप उसे केवल किताबों
और डरावनी फिल्मों में ही देखेंगे.







चीन में लोग चमगादड़ों से नहीं डरते.

वे सोचते हैं कि चमगादड़ देखना शुभ होता है.

पाँच उड़ते हुए चमगादड़ों की तस्वीर

एक लकी चार्म मानी जाती है.

वो एक खुशी का प्रतीक है.



सालों पहले बहुत ज़्यादा चमगादड़ थे.

कुछ गुफाओं में तो लाखों चमगादड़ थे.

अब उनमें से कई गुफाएँ

भर गई हैं.

कुछ गुफाओं को कारों के लिए

सुरंगों में बदल दिया गया है.



कभी-कभी पहाड़ों पर चलने वाले यात्री भी

चमगादड़ों को परेशान करते हैं.

अगर चमगादड़ सर्दियों के बीच में

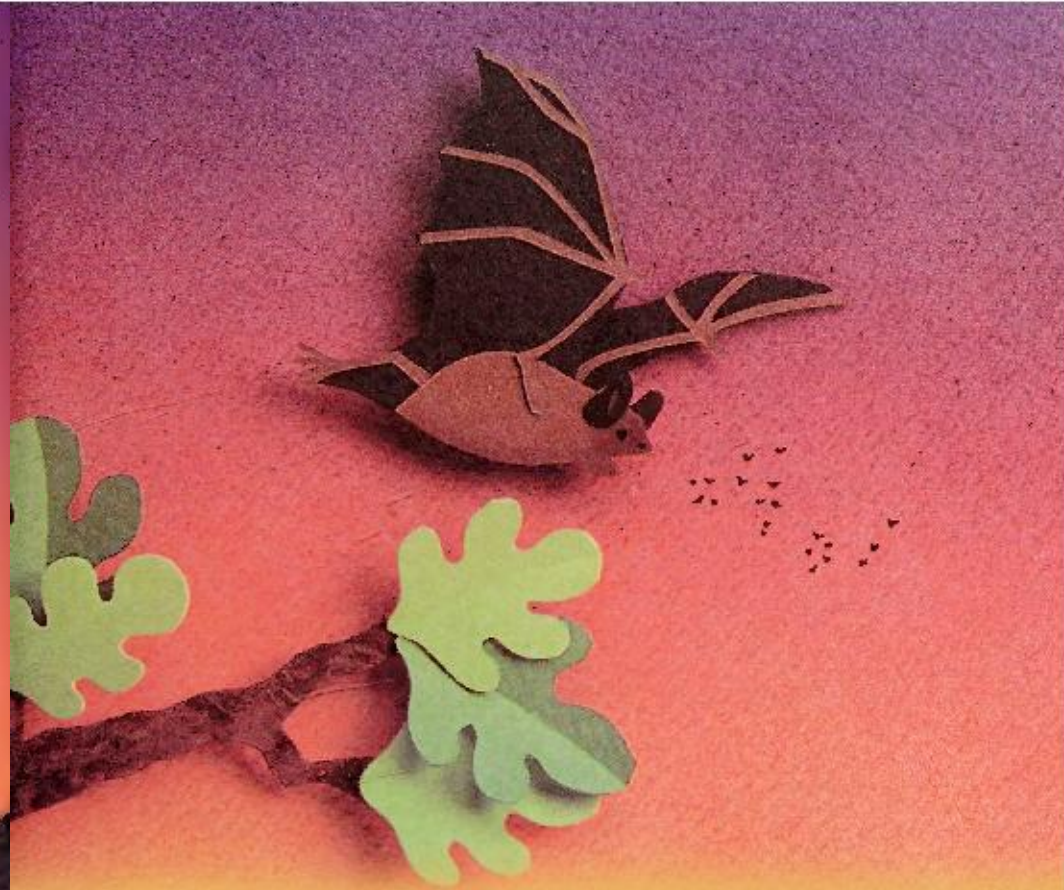
जाग जाते हैं, तो वे भूख से मर सकते हैं.

ऐसा इसलिए होता है क्योंकि वहाँ

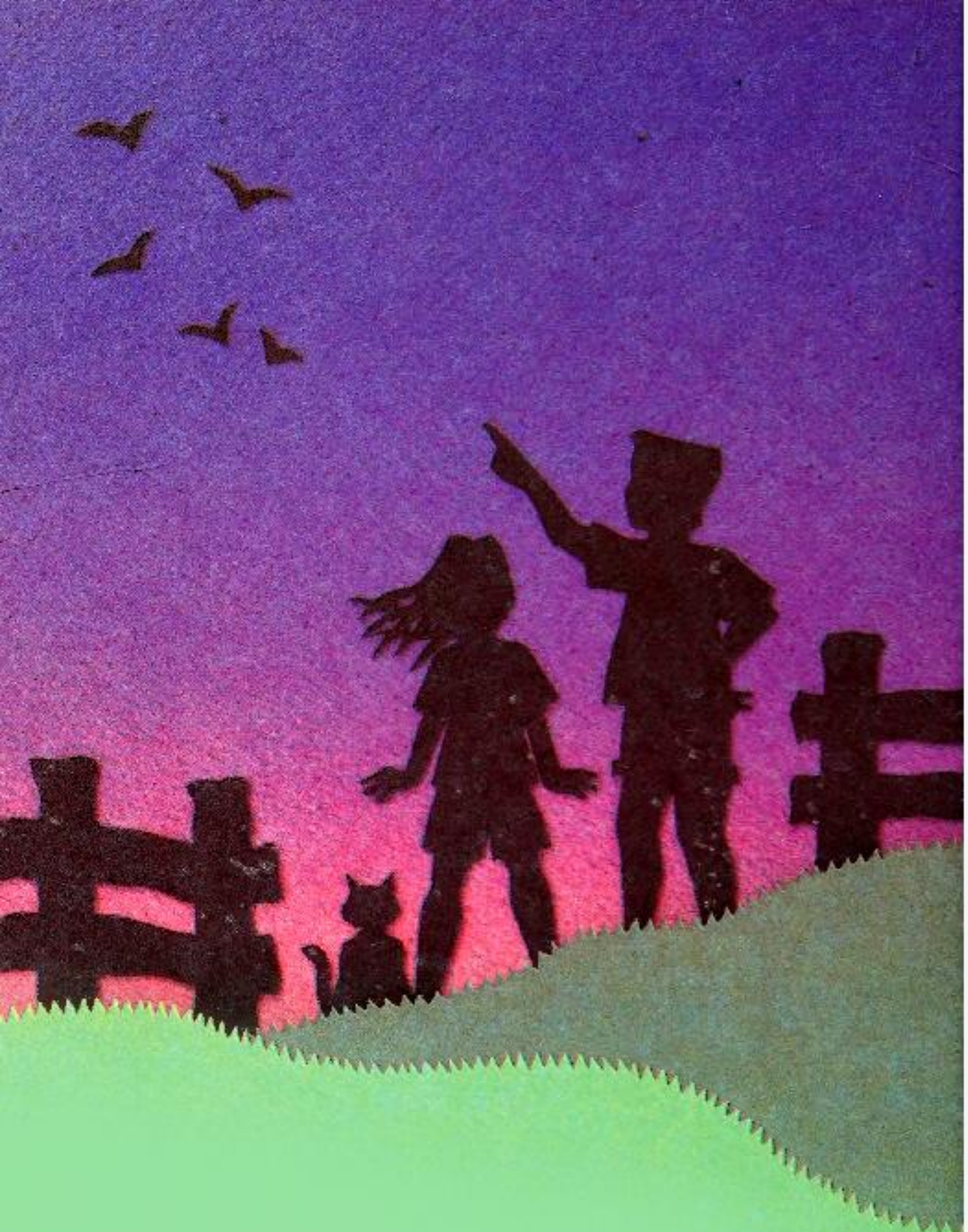
खाने के लिए कोई कीड़े नहीं होते!



अब वैज्ञानिक, चमगादड़ो की
गुफाओं की सुरक्षा शुरू कर रहे हैं.
कुछ लोग
चमगादड़ घर भी बना रहे हैं.
चमगादड़ गर्मियों में
उनमें रह सकते हैं.



चमगादड़ कीड़ों को नियंत्रित करते हैं.
एक छोटा चमगादड़ एक घंटे में
600 मच्छर को पकड़ सकता है.
चमगादड़ों को एक चीज़ पसंद नहीं है,
वह है प्रदूषण.
अगर आस-पास बहुत सारे चमगादड़ हों,
तो इसका मतलब होगा कि वहां का
हवा और पानी शायद साफ़ होगा.



इसलिए चमगादड़ देखना

वाकई में सौभाग्य की बात है!

चमगादड़: रात के जीव

क्या आप जानते हैं कि...

• चमगादड़ अंधे नहीं होते.

• सबसे छोटा चमगादड़ सिर्फ़ एक
मधुमक्खी के आकार का होता है.

• एक चमगादड़ एक घंटे में
600 मच्छर पकड़ सकता है.

इस रोमांचक, आसानी से पढ़ी जा सकने वाली किताब में आपको चमगादड़ों के बारे में और भी बहुत कुछ जानने को मिलेगा!

